UTTRAKHAND JUDICIAL MAINS EXAM 2021

LAW-I (Substantive Law)
विधि - I (मुख्य विधि)

Allowed: Three Hours] **[Maximum Marks: 200**

Note: Candidates should attempt question Nos. 1 and 2 as compulsory and not more than four of the remaining ones. Total six questions are to be attempted. Marks carried by each question are indicated at its end.
अभ्यर्थियों को प्रश्न संख्या 1 एवं 2 करना अनिवार्य है तथा अन्य कोई चार प्रश्न हल करने हैं । कुल छः प्रश्न हल करने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं ।

1.

(a) 'Consideration is a necessary element for a binding contract.' Discuss this statement and also state its exception. Refer to the decided cases.
'प्रतिफल बाध्यकारी संविदा के लिए एक अनिवार्य तत्व है ।" इस कथन की विवेचना कीजिए और इस नियम के अपवाद भी बतलाइए । विनिर्णीत वादों को संदर्भित कीजिए ।

(Words limit: Maximum 100 Words)
[15]

(b) Define 'Sale'. While pointing out distinction between 'sale' and 'contract for sale', also present suitable illustrations.
'विक्रय' को परिभाषित कीजिए । "विक्रय' और 'विक्रय के लिए संविदा' के मध्य विभेद को इंगित करते हुए उचित दृष्टान्त भी प्रस्तुत कीजिए ।

(Words limit: Maximum 100 Words)
[15]

(c) How a owner of the land will exercise his right to the column of air space above the surface ad infinitum and how he can stop trespass in law of tort? Elucidate.
भूमि का स्वामी अपनी भूमि के ऊपर असीमित दूरी तक खुले वायु मंडल के अधिकार का उपयोग कैसे करेगा और अपकृत्य विधि में इसके अतिचार को कैसे रोक सकता है ? वर्णन करें ।

(Words limit: Maximum 50 Words)
[10]

2.

(a) What do you understand by 'Partnership'? How does it arise? State differences between 'partnership' and 'firm'.
'भागीदारी' से आप क्या समझते हैं ? यह कैसे उत्पन्न होती है ? 'भागीदारी' और 'फर्म' के मध्य अंतर बतलाइए ।

(Words limit: Maximum 100 Words)
[15]

(b) "A 'contract of guarantee' is a contract to perform the promise, or discharge the liability, of a third person in case of his default." Explain and distinguish it with 'contract of indemnity'.
"प्रत्याभूति की संविदा' किसी पर - व्यक्ति के व्यतिक्रम की दशा में उसके वचन का पालन या उसके दायित्व का निर्वहन करने की संविदा है ।" व्याख्या कीजिए और 'क्षतिपूर्ति की संविदा' से इसे विभेदित कीजिए ।

(Words limit: Maximum 100 Words)
[15]

(c) What is 'right to foreclosure'? When a restriction can be imposed on this right?
'पुरोबंध को अधिकार' क्या है ? इस अधिकार पर कब प्रतिबंध लगाया जा सकता है ?

(Words limit: Maximum 50 Words)
[10]

3.

(a) Whether Partner's contribution, made to 'Firm', is a 'Transfer'? Referring to statutory provisions, explain it.

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

क्या भागीदार का अंशदान, जो फर्म को किया गया है, अन्तरण है ? विधिक उपबंधों का उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए ।

(Words limit: Maximum 50 Words)

[10]

(b) According to ancient Hindu Law, marriage is a sacrament. How far the new enactment in Hindu Law has affected this approach? Explain.
प्राचीन हिन्दू विधि के अनुसार विवाह एक संस्कार है । स्वतन्त्र भारत में हिन्दू विधि में नये अधिनियम ने इस विचारधारा को कहाँ तक प्रभावित किया? समझाइए ।

(Words limit: Maximum 50 Words)

[10]

(c) Discuss the consequences of divorce under Muslim Law. Refer to relevant cases.
मुस्लिम विधि के अन्तर्गत तलाक के परिणाम की व्याख्या कीजिए । सुसंगत वादों को भी संदर्भित कीजिए ।

(Words limit: Maximum 50 Words)

[10]

4.

(a) What do you mean by Easement' ? Point out differences between easement' and 'licence'.
'सुखाचार' से क्या अभिप्रेत है ? 'सुखाचार' और 'अनुज्ञप्ति' में अन्तर इंगित कीजिए ।

(Words limit: Maximum 50 Words)

[10]

(b) Distinguish between void contract and voidable agreement.
शून्य संविदा एवं शून्यकरणीय करार को विभेदित कीजिए ।

(Words limit: Maximum 50 Words)

[10]

(c) What are the conditions restraining alienation (transfer) of the property? Explain its exceptions also.
सम्पत्ति के अन्य - संक्रामण (अन्तरण) को अवरुद्ध करने वाली शर्तें क्या हैं ? इसके अपवादों का भी वर्णन कीजिए ।

(Words limit: Maximum 50 Words)

[10]

5.

(a) 'A' transfers to 'B' an estate to which 'C' is entitled, and as a part of the same transaction gives 'C' a coal-mine. 'C' takes possession of the mine and exhausts it. Whether 'B' thereby confirms the transfer of the estate? Decide with the help of statutory provisions.
'ख' को 'क' एक सम्पदा अन्तरित करता है, जिसका हकदार 'ग' है और उस संव्यवहार के भागरूप में 'ग' को कोयले की एक खान देता है । 'ग' खान को कब्जे में लेता है और उसे पूरा खाली कर देता है । क्या इस प्रकार 'ख' ने सम्पदा अन्तरण की पुष्टि कर दी? विधिक उपबंधों की सहायता से निर्णय कीजिये ।

(Words limit: Maximum 50 Words)

[10]

(b) What are major features of the Muslim Women (Protection of Rights of Marriage) Act, 2019? How far this Act will be helpful in bringing gender- equality? Explain.
मुस्लिम महिला (विवाह के अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं ? यह अधिनियम कहाँ तक लैंगिक समानता लाने में सहायक होगा ? समझाइए ।

(Words limit: Maximum 50 Words)

[10]

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

(c) **Explain the law relating to the Defamation. What is difference between libel and slander? State the position of Indian law and English law on this issue.**
मानहानि से सम्बन्धित विधि को समझाइए । अपलेख और अपवचन में क्या अन्तर है ? इस विषय पर भारतीय विधि और आंग्ल विधि की स्थिति स्पष्ट कीजिये ।

(Words limit: Maximum 50 Words)
[10]

6.

(a) **Although nuisance is no branch of the law of negligence, however, it may be caused by negligence. Critically examine this statement.**
यद्यपि उपताप, उपेक्षा विधि की शाखा नहीं है, तथापि यह उपेक्षा से भी हो सकता है । इस कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये ।

(Words limit: Maximum 50 Words)
[10]

(b) **A mortgages certain plot for building land to B and afterwards erects a house on the plot. Keeping in view of the security of B, decide the entitlement of accession property in between A and B with the help of legal provision.**
'क' निर्माण भूमि का कोई टुकड़ा 'ख' के पास बन्धक रखता है और तत्पश्चात् टुकड़े पर गृह खड़ा करता है । 'ख' की प्रतिभूति को दृष्टि में रखते हुए, अनुवृद्धि सम्पत्ति की हकदारी को 'क' तथा 'ख' के मध्य विधिक उपबंध की सहायता से निर्णीत कीजिये ।

(Words limit: Maximum 50 Words)
[10]

(c) **Distinguish between the Mitakshara and Dayabhaga law of succession.**
उत्तराधिकार के मिताक्षरा और दायभाग विधि के मध्य विभेद कीजिये ।

(Words limit: Maximum 50 Words)
[10]

7.

(a) **How a firm is to be dissolved? Explain while referring to statutory provisions. / फर्म का विघटन कैसे होता है? सांविधिक उपबंधों को संदर्भित करते हुए समझाइए ।**

(Words limit: Maximum 50 Words)
[10]

(b) **Who may obtain specific performance of a contract? Explain. / संविदा का विनिर्दिष्ट अनुपालन कौन प्राप्त कर सकता है ? समझाइए ।**

(Words limit: Maximum 50 Words)
[10]

(c) **Who is eligible for adoption under the Hindu Adoption and Maintenance Act, 1956? Discuss the capacity of a female Hindu to take in adoption. / हिन्दू दत्तक एवं भरण-पोषण अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत दत्तक हेतु कौन योग्य होता है ? एक महिला हिन्दू द्वारा दत्तक लेने के सामर्थ्य की विवेचना कीजिए ।**

(Words limit: Maximum 50 Words)
[10]

8.

(a) **Explain concept of Guardianship under the Muslim Law. / मुस्लिम विधि के अन्तर्गत संरक्षकता की अवधारणा को समझाइए ।**

(Words limit: Maximum 50 Words)
[10]

(b) **What is declaratory decree? Explain with illustrations. / उद्घोषणात्मक डिक्री क्या होती है? सोदाहरण समझाइए ।**

(Words limit: Maximum 50 Words)
[10]

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

(c) Discuss the cancellation of licence. / अनुज्ञप्ति के निरस्तीकरण की विवेचना कीजिए ।

(Words limit: Maximum 50 Words)
[10]

9.

(a) A in consideration that B will employ C in collecting the rents of B's Zamindari, promises B to be responsible, to the amount of 5,000 rupees, for the due collection and payment by C of those rents. In this way, what is 'promise' under the law of contract? Support the answer with the legal provisions. / 'क' इस बात के प्रतिफलस्वरूप कि 'ख' अपनी जमींदारी के भाटकों का संग्रह करने के लिये 'ग' को नौकर रखेगा, 'ग' द्वारा उन भाटकों के सम्यक् संग्रह और संदाय के लिए 5,000 रुपये की रकम तक उत्तरदायी होने का 'ख' को वचन देता है। इस प्रकार संविदा विधि के अन्तर्गत दिया गया 'वचन' क्या है? उत्तर को विधियों के उपबंध से समर्थित कीजिये ।

(Words limit: Maximum 50 Words)
[10]

(b) What are essentials of a valid gift (Hiba) under Muslim Law ? Explain. / मुस्लिम विधि के अन्तर्गत वैध दान (हिबा) के आवश्यक तत्व क्या हैं ? समझाइए ।

(Words limit: Maximum 50 Words)
[10]

(c) Explain the followings : / निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

(Words limit: Maximum 50 Words)
[10]

(i) 'Foreign Sovereign' as personal capacity under Law of Tort. / अपकृत्य विधि के अन्तर्गत व्यक्तिगत सामर्थ्य के रूप में 'विदेशी संप्रभु'

(ii) damnum sine (or absque) injuria / बिना क्षति के हानि

10.

(a) What are duties and liabilities of Trustees? Discuss critically. / न्यासियों के कर्तव्य एवं दायित्व क्या हैं? आलोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

(Words limit: Maximum 50 Words)
[10]

(b) Under the Hindu Law, cruelty may be physical or mental or both for divorce, but it is not necessary to be intentional. In the light of this statement, explain the approach of courts. / हिन्दू विधि के अन्तर्गत विवाह विच्छेद के लिए क्रूरता शारीरिक या मानसिक या दोनों हो सकती हैं, किन्तु इसका आशयित होना आवश्यक नहीं है । इस कथन के सन्दर्भ में न्यायालयों के दृष्टिकोण की व्याख्या करें ।

(Words limit: Maximum 50 Words)
[10]

(c) Discuss the following with the help of case laws : / निर्णीत वादों की सहायता से निम्नलिखित की विवेचना कीजिये :

(i) Stridhan / स्त्रीधन

(ii) Public and private endowment / लोक और निजी एन्डाउमेण्ट (विन्यास)

(Words limit: Maximum 50 Words)
[10]

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

2021
LAW - II (Evidence and Procedure)
विधि - II (साक्ष्य एवं प्रक्रिया)

Time allowed: Three Hours] **[Maximum Marks: 200**

Note: **Candidates should attempt Question No. 1 as compulsory and four more. At least one question must be attempted from each section. In all five questions are to be answered. Marks carried by each question are indicated against the question.**
अभ्यर्थी को प्रश्न संख्या 1 करना अनिवार्य है तथा अन्य कोई चार प्रश्न हल करने हैं । प्रत्येक खण्ड में एक प्रश्न करना अनिवार्य है । कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं ।

अनिवार्य प्रश्न / Compulsory Question

1. **Sohan borrowed ₹ 5,00,000 (Five lakh) from his friend Arvind and also issued a cheque of ₹ 5,00,000 (Five lakh) to Arvind on the same day. Sohan agreed to pay back the money on demand and also agreed to pay an interest at 25% per annum, when Arvind deposited the cheque in the bank for the payment and it was dishonoured. Hence, Arvind had approached Sohan number of times for payment but Sohan refused to make the payment. Therefore, Arvind issued a legal notice on dated 03.03.22 for the return of money. Till today Sohan has made no reply. Arvind files a suit for recovery of money before the competent court. / सोहन ने अपने दोस्त अरविन्द से ₹ 5,00,000 (पाँच लाख) उधार लिया और उसी दिन अरविन्द को ₹ 5,00,000 (पाँच लाख) का चैक भी जारी कर दिया। सोहन माँग पर धनराशि वापस करने और प्रति वर्ष 25% ब्याज का भुगतान करने पर भी सहमत हुआ, जब अरविन्द ने चैक को बैंक में भुगतान के लिए जमा किया यह अनादर हो गया । इसके बाद अरविन्द ने कई बार भुगतान के लिए सोहन से सम्पर्क किया, परन्तु सोहन ने भुगतान करने से मना कर दिया । इसलिए अरविन्द ने दिनांक 03.03.22 को विधिक नोटिस धनराशि की वापसी के लिए जारी कर दिया । आज तक सोहन ने इसका कोई उत्तर नहीं दिया । अरविन्द धनराशि की वसूली के लिए एक वाद सक्षम न्यायालय में संस्थित करता है ।**

(a) **Looking to the matter as above mentioned facts, prepare a draft of plaint on behalf of Arvind, for instituting the same before the competent court of law to recover the money. / उपर्युक्त प्रकरण के तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए अरविन्द की ओर से धनराशि की वसूली के लिए सक्षम न्यायालय में वाद संस्थित करने के लिए वादपत्र तैयार कीजिये ।**

(Words limit : Maximum 200 Words)
[20 Marks]

(b) **In the reply to the above plaint, also prepare a draft of the written statement for the defendant (Sohan). / उपर्युक्त वादपत्र के उत्तर में प्रतिवादी (सोहन) की ओर से लिखित कथन का प्रारूप भी लिखिए।**

(Words limit : Maximum 200 Words)
[20 Marks]

Or / अथवा

Radha Ram was studying in Dev University, Haridwar and pursuing LL.B. course in it and staying in the hostel of the University. He was not attending classes regularly. Therefore, he was short of attendance in the LL.B. 1st year. He did not mention this fact in the examination form that his attendance is short but he was aware of this fact. He appeared. His result was not declared, because his attendance was short. He was approached to the Head of the Law Department (HOD) as well as University authorities and submitted an application for the declaration of result. No action was taken on his application. Consequently he had filed a case for the declaration of the result. / राधा राम, देव विश्वविद्यालय, हरिद्वार में पढ़ रहा था और उसमें एल. एल. बी. की पढ़ाई कर रहा था तथा विश्वविद्यालय के छात्रावास में रह रहा था । वह कक्षाओं में नियमित रूप से उपस्थित नहीं रहता था । इसलिए उसकी एल. एल. बी. प्रथम वर्ष में उपस्थिति कम थी । जब उसने परीक्षा फार्म भरा तो इसका उल्लेख नहीं किया कि उसकी उपस्थिति कम है, परन्तु यह तथ्य उसको पता था । वह परीक्षा में सम्मिलित हुआ । उसका परीक्षा का परिणाम घोषित नहीं किया गया, क्योंकि उसकी उपस्थिति कम थी । उसने विधि विभाग के अध्यक्ष तथा विश्वविद्यालय के अधिकारियों से परीक्षा परिणाम घोषित करने के लिए सम्पर्क किया तथा

Linking Laws | Linking Laws Tansukh Sir | www.LinkingLaws.com | Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

आवेदन पत्र भी दिया । उसके आवेदन पत्र पर कोई कार्यवाही नहीं हुई । फलतः उसने परीक्षा परिणाम घोषित किये जाने के लिए बाद संस्थित कर दिया |

(a) On the basis of above facts, prepare a case by framing the issues and write the judgement with the support of legal provisions and case laws. / उपर्युक्त तथ्यों के आधार पर विवाद्यक बिन्दु विरचित करते हुए मामला (केस) तैयार कीजिए और विधिक उपबंधों और निर्णयज विधियों की सहायता से निर्णय लिखिये ।

(Words limit : Maximum 200 Words)
[20 Marks]

(b) Critically analyse the legal provisions pertaining to pronouncement of own judgement and judgement written by his predecessor; also describe the legal manner of amendment of the judgement. / न्यायाधीश के द्वारा अपने निर्णय और पूर्ववर्ती न्यायाधीश के द्वारा लिखे गये निर्णय को सुनाये जाने सम्बन्धित विधिक उपबंधों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये ; निर्णय को संशोधित करने की विधिक रीति का भी वर्णन कीजिये ।

(Words limit : Maximum 200 Words)
[20 Marks]

खण्ड - अ / Section - A

2.

(a) What are the fundamental Rules of Pleadings? What do you mean by Alternative Pleadings? Also distinguish striking out pleadings and amendment of pleadings. / अभिवचन के मूलभूत नियम क्या हैं? अनुकल्पी अभिवचन से आप क्या समझते हैं ? अभिवचन के काट दिये जाने और अभिवचन के संशोधन में अन्तर भी स्पष्ट कीजिये ।

(Words limit : Maximum 200 Words)
[20 Marks]

(b) Particulars of set-off requires to be given in written statement. Consequently its effect originates. Examine. / मुजरा की विशिष्टियों को लिखित कथन में दिया जाना आवश्यक है । परिणामतः इसका प्रभाव उत्पन्न हो जाता है । परीक्षण करें ।

(Words limit : Maximum 100 Words)
[10 Marks]

(c) Which principles must be kept in mind during the appointment of receiver by the court ? Critically examine. / न्यायालय द्वारा रिसीवर की नियुक्ति के समय कौन से सिद्धांतों को ध्यान में रखा जाता हैं ? आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये ।

(Words limit : Maximum 100 Words)
[10 Marks]

3.

(a) What are various modes of settlement of disputes outside the court? How it affects the provisions of Civil Procedure Code? Elucidate. / न्यायालय के बाहर विवादों का निपटारा कौन से विभिन्न प्रकारों से किया जा सकता है ? इसका प्रभाव सिविल प्रक्रिया संहिता के उपबंधों पर कैसे पड़ता है ? समझाइये ।

(Words limit : Maximum 200 Words)
20 Marks

(b) Critically examine the second appeal under the Code of Civil Procedure with the help of judicial pronouncements. / सिविल प्रक्रिया संहिता के अधीन द्वितीय अपील पर न्यायिक दृष्टातों की सहायता से आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

(Words limit : Maximum 100 Words)
10 Marks

(c) Explain the powers of Supreme Procedure Code. Support with the Court to transfer suits, etc., under the Civil proper illustrations. / सिविल प्रक्रिया संहिता के अधीन वादों आदि के अन्तरण करने की उच्चतम न्यायालय की शक्तियों की विवेचना कीजिए । समुचित दृष्टान्त से समर्थन कीजिये ।

(Words limit : Maximum 100 Words)
10 Marks

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

4.

(a) Where one of several plaintiffs or defendants dies, in such circumstances, examine the legal provisions of the rights for filing the suits and in support of the answer. discuss the case law. / जहाँ कई वादियों या प्रतिवादियों में से एक की मृत्यु हो जाती है, उन परिस्थितियों में वाद लाने के अधिकार के विधिक उपबंध का परीक्षण कीजिये और उत्तर के समर्थन में वाद विधि की विवेचना कीजिये ।

(Words limit : Maximum 200 Words)
20 Marks

(b) When foreign judgement are not conclusive ? Comment legally. / विदेशी निर्णय कब निश्चायक नहीं है? विधिक टिप्पणी कीजिये ।

(Words limit : Maximum 100 Words)
10 Marks

(c) Examine the powers of court to enforce Execution of Decree. / डिक्रियों के निष्पादन कराने की न्यायालय की शक्तियों का परीक्षण कीजिये ।

(Words limit : Maximum 100 Words)
10 Marks

5.

(a) Whether on the ground that evidence has begun or trial of civil case is in progress; the plaint can be rejected? Explain with the help of law. Elucidate also the subject-matters, which are barred from jurisdiction of the civil court. / क्या इस आधार पर कि साक्ष्य आरम्भ हो चुका है, अथवा सिविल वाद में विचारण प्रगति में है, बाद पत्र अस्वीकार किया जा सकता है ? विधि की सहायता से समझाइये । सिविल न्यायालय के क्षेत्राधिकार से वर्जित विषयों की भी विवेचना कीजिये ।

(Words limit : Maximum 200 Words)
20 Marks

(b) Critically examine the powers of revision of the court under the Civil Procedure Code, 1908 with the help of judicial pronouncements. / सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के अधीन उपबन्धित न्यायालय की पुनरीक्षण की शक्तियों का न्यायिक दृष्टांतों की सहायता से आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

(Words limit : Maximum 100 Words)
10 Marks

(c) Who are entitled to exempt from the personal appearance in court under the Civil Procedure Code, 1908 ? Examine legally. / सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के अधीन कौन से व्यक्ति न्यायालय में स्वीय उपसंजाति से छूट पाने के हकदार होंगे ? विधिक परीक्षण कीजिये ।

(Words limit : Maximum 100 Words)
10 Marks

खण्ड - ब / Section - B

6.

(a) Explain the nature of evidence of admission and distinguish it from hearsay evidence. / स्वीकृति के साक्ष्य की प्रकृति की व्याख्या कीजिए और इसको अनुश्रुति साक्ष्य से पृथक कीजिए ।

(Words limit : Maximum 200 Words)
20 Marks

(b) Critically examine trial of the cases instituted under Section 199 (2) of the Criminal Procedure Code and distinguish the trial procedure of these cases from other cases. / दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 199 (2) के अधीन संस्थित वादों के विचारण का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये और इन वादों के विचारण प्रक्रिया का अन्य वादों से अन्तर बताइये ।

(Words limit : Maximum 100 Words)
10 Marks

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

(c) A and B are jointly tried for the murder of C. It is proved that A said "B and I murdered C". Discuss the legal effect of the confession as against 'B'. Support your answer with the case law, / क और ख कोग की हत्या के लिए संयुक्त विचारित किया जाता है। यह साबित किया जाता है कि क ने कहा "ख और मैंने ग की हत्या की है।" ख के विरुद्ध इस संस्वीकृति के विधिक प्रभाव पर चर्चा करें। अपने उत्तर को बाद विधि से समर्थित कीजिये। (Words limit: Maximum 100 Words)
10 Marks

7.

(a) Supreme Court of India enforced the spirit of Section 41 A of Criminal Procedure Code in Arnesh Kumar Vs State of Bihar 2014 and Abhyanand Sharma Vs State of Bihar 2022. Critically examine these cases with reference to schedule first of Criminal Procedure Code. / अरनेश कुमार बनाम बिहार राज्य 2014 और अभयानन्द शर्मा बनाम बिहार राज्य 2022 में उच्चतम न्यायालय ने दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 41 क की आत्मा का प्रवर्तन किया । इन वादों को दण्ड प्रक्रिया संहिता की अनुसूची प्रथम के सन्दर्भ में परीक्षण कीजिए ।
(Words limit : Maximum 200 Words)
20 Marks

(b) State the provisions contained in Cr. P.C., 1973 relating to "offences affecting the Administration of Justice". Cite Judicial decision also. / न्याय - प्रशासन पर प्रभाव डालने वाले अपराधों के बारे में दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के प्रावधानों का उल्लेख कीजिये । न्यायिक निर्णयों को भी उद्धृत कीजिये ।
(Words limit : Maximum 100 Words)
10 Marks

(c) Practically examine the procedure related to security for keeping the peace and for good behaviour under the Criminal Procedure Code. / दण्ड प्रक्रिया संहिता के अधीन परिशांति कायम रखने के लिए और सदाचार के लिए प्रतिभूति से संबंधित प्रक्रिया का व्यावहारिक परीक्षण कीजिये ।
(Words limit : Maximum 100 Words)
10 Marks

8.

(a) Which questions are lawful during cross-examination? How far provisions of Criminal Law (Amendment) Act, 2013 are relevant in this regard? / प्रतिपरीक्षा के दौरान कौन से प्रश्न विधिपूर्ण हैं? दण्ड विधि (संशोधन) अधिनियम, 2013 के प्रावधान कहाँ तक इस संदर्भ में सुसंगत हैं ?
(Words limit : Maximum 200 Words)
20 Marks

(b) What are Public Documents? Whether a certified copy of annual return file by a company is a public document? Comment in the light of latest judgements of the Supreme Court. / लोक दस्तावेज क्या हैं ? क्या कम्पनी द्वारा प्रस्तुत वार्षिक विवरणी की प्रमाणित प्रतिलिपि लोक दस्तावेज है ? उच्चतम न्यायालय के अद्यतन निर्णयों के आलोक में टिप्पणी कीजिये ।
(Words limit : Maximum 100 Words)
10 Marks

(c) Critically examine the rule of estoppel in the service matter as decided by Supreme Court in the case of Krishna Rai (Dead) Vs Banaras Hindu University Civil Appeal Nos. 4578-4580 of 2022. / उच्चतम न्यायालय के द्वारा कृष्णा राय (मृतक) बनाम बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय सिविल अपील संख्या 4578-4580 / 2022 के निर्णय में सेवा की विषयवस्तु से सम्बन्धित विबन्ध के नियम का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।
(Words limit : Maximum 100 Words)
10 Marks

9.

(a) Critically examine the presumption as to absence of consent in certain prosecution for rape under the Criminal Law (Amendment) Act, 2013. / दण्ड विधि (संशोधन) अधिनियम, 2013 के अन्तर्गत बलात्संग के लिए कतिपय अभियोजन में सम्मति के न होने के बारे में उपधारणा के प्रावधानों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये ।
(Words limit : Maximum 200 Words)

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

20 Marks

(b) **Describe the evidenciary power of the judges to put questions or order production and its effect in judgements to provide the real justice. / न्यायाधीशों की प्रश्न करने या पेश करने का आदेश देने की साक्ष्यिक शक्ति और वास्तविक न्याय देने में निर्णयों में इसके प्रभाव का उल्लेख कीजिये ।**

(Words limit : Maximum 100 Words)
10 Marks

(c) **Critically examine the relevant legal provisions of plea-bargaining. / अभिवाक् – सौदेबाजी के सुसंगत विधिक प्रावधानों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये ।**

(Words limit : Maximum 100 Words)
10 Marks

10.

(a) **Describe those powers of Magistrate, when in course of a summary trial it appears to the Magistrate that the nature of the case is such that it is undesirable to try it summarily. / मजिस्ट्रेट की उन शक्तियों का उल्लेख कीजिये, जब संक्षिप्त विचारण के दौरान मजिस्ट्रेट को प्रतीत होता है कि मामला इस प्रकार का है कि उसका विचारण संक्षेपतः किया जाना अवांछनीय है ।**

(Words limit: Maximum 150 Words)
15 Marks

(b) **Explain the Law relating to Appeal by the State Government against sentence and interpret the decided cases. / राज्य सरकार द्वारा दण्डादेश के विरुद्ध अपील से संबंधित विधि की व्याख्या कीजिये और निर्णीत वादों का भी निर्वचन कीजिये ।**

(Words limit: Maximum 150 Words)
15 Marks

(c) **Examine the procedure when investigation cannot be completed within twenty- four hours. / जब चौबीस घण्टे के अन्दर अन्वेषण पूरा न किया जा सके तब उस प्रक्रिया का परीक्षण कीजिये ।**

(Words limit: Maximum 100 Words)
10 Marks

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

2021
LAW – III (Revenue and Criminal)
विधि - III (राजस्व एवं दाण्डिक)

Time allowed : Three Hours] [Maximum Marks : 200

Note: Candidates should answer six (6) questions in all, out of which they should answer question No. 1 and any other two questions from section 'A' and question No. 6 and any other two questions from section 'B'. Marks carried by each question are indicated at its end.
अभ्यर्थी कुल छः (6) प्रश्नों के उत्तर दें, जिनमें खण्ड 'अ' से प्रश्न संख्या 1 तथा अन्य कोई दो प्रश्न तथा खण्ड 'ब' से प्रश्न संख्या 6 तथा अन्य कोई दो प्रश्न हों। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं ।

Section -A / खण्ड अ

1.

(a) Critically examine the legal provisions to determine the amount of rehabilitation grant in case of a waqf, trust or endowment. Support your answer with the suitable illustrations as applicable in Uttarakhand State. / वक्फ, न्यास या विन्यास के पुनर्वासन अनुदान की रकम के निर्धारण के विधिक उपबंधों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये । अपने उत्तर को उत्तराखण्ड राज्य में लागू समुचित उदाहरणों से समर्थन दीजिये ।

(Words limit : Maximum 100 Words)
[10]

(b) Under the UP Zamindari Abolition and Land Reforms Act, the cognizance of the suits, notwithstanding anything contained in Civil Procedure Code, shall not be taken except some exceptions. Elucidate. / उत्तर प्रदेश जमींदारी उन्मूलन और भूमि सुधार अधिनियम के अन्तर्गत वादों के संज्ञान के लिए कतिपय अपवादों के अतिरिक्त सिविल प्रक्रिया संहिता में किसी बात के होते हुए भी संज्ञान नहीं होगा । समझाइये

(Words limit : Maximum 200 Words)
[20]

(c) A, a Zamindar died surviving him two sons X and Y. In the Khewat A's name was removed and in his place X and Y were entered. Each son's share was shown only 1 / 3. This entry of record of 1359 Fasli year. Whether this entry can be corrected by compensation settlement officer? Support your answer by law. / क, एक जमींदार की अपने दो पुत्रों, य और र को छोड़कर मृत्यु हो जाती है । खेवट में क का नाम हटा दिया गया और उसके स्थान पर य और र को लिख दिया । फसली वर्ष 1359 की प्रविष्टि के अनुसार प्रत्येक पुत्र का हिस्सा केवल 1 / 3 प्रदर्शित किया गया। क्या इस प्रविष्टि को मुआवजा निर्धारण अधिकारी द्वारा सही किया जा सकता है ? उत्तर के समर्थन में विधि का उल्लेख करें ।

(Words limit : Maximum 100 Words)
[10]

2.

(a) Impact of U.P.Z.A. and L.R. Act on the mines leased out by intermediary are not absolute, these are as in illustrative. Critically examine. / जमींदार द्वारा पट्टे पर दी गई खानों पर उत्तर प्रदेश जमींदारी उन्मूलन तथा भूमि सुधार अधिनियम के प्रभाव आत्यंतिक नहीं हैं, यह केवल दृष्टान्त स्वरूप में हैं । आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये ।

(Words limit: Maximum 100 Words)
[10]

(b) The general rule is that the rates of land revenue to continue until duly altered, but the procedure for determination of the land revenue is essential in every case. Examine with legal provisions. / सामान्य नियम यह है कि भू-राजस्व की दर पूर्ववत रहेगी, जब तक कि उसमें सम्यक रूप से परिवर्तन न कर दिया जाय, परन्तु प्रत्येक वाद में भू-राजस्व के अवधारण की प्रक्रिया आवश्यक है । विधिक उपबंधों सहित परीक्षण कीजिए।

(Words limit: Maximum 100 Words)

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

[10]

(c) Rights retained by intermediaries on Zamindari abolition are limited, however, law has protected their interests. Comments. / जमींदारी उन्मूलन के पश्चात् जमींदारों के पास बचे अधिकार सीमित हैं, फिर भी उनके हितों को विधि ने संरक्षित किया। समीक्षा करें ।

(Words limit: Maximum 100 Words)
[10]

3.

(a) Critically discuss the grounds on which letting or sub-letting of land is allowed under Uttar Pradesh Zamindari Abolition and Land Reforms Act. In support, mention the decision of Uttarakhand Revenue Board. / उत्तर प्रदेश जमींदारी उन्मूलन तथा भूमि सुधार अधिनियम के अन्तर्गत उन आधारों की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए, जिन पर भूमि पट्टे अथवा उप-पट्टे पर दी जा सकती है। समर्थन में उत्तराखण्ड राजस्व परिषद के निर्णयों को उद्धृत करें ।

(Words limit: Maximum 100 Words)
[10]

(b) Bhumidhar with transferable rights is powerful, whereas, Bhumidhar with non-transferable rights has no power, whereas, both are Bhumidhar. Comments. / संक्राम्य अधिकार वाला भूमिधर शक्तिशाली है जबकि असंक्राम्य अधिकार वाला भूमिधर शक्ति विहीन है, फिर भी दोनों ही भूमिधर हैं। समीक्षा करें ।

(Words limit: Maximum 100 Words)
[10]

(c) Critically explain the "Improvement" with the help of legal provisions under the land law. / "उन्नत कार्य" की भूमि विधि के अन्तर्गत विधिक उपबंधों सहित आलोचनात्मक व्याख्या करें ।

(Words limit: Maximum 100 Words)
[10]

4.

(a) Explain the following with legal provisions : / निम्नलिखित को विधिक उपबंध सहित स्पष्ट कीजिए :
(i) Under Proprietor / मातहत स्वामी
(ii) Instalment for payment of rent / लगान अदा करने की किश्त

(Words limit: Maximum 100 Words)
[10]

(b) For the tenants of Sir it is necessary that, every tenant of land should be recorded, on the ground of this, some provisions of 'Sir' are not applicable on women, minor, lunatic and a person in military etc. Describe the legal provisions on this matter. / सीर के काश्तकार के लिए मध्यवर्ती के भूमि का अभिलिखित होना आवश्यक है, इसके आधार पर 'सीर' के कुछ उपबंध महिला, अवयस्क, पागल और भारतीय संघ सैनिक आदि पर लागू नहीं हैं। इस विषय में विधिक उपबंध का विवरण दीजिये ।

(Words limit: Maximum 100 Words)
[10]

(c) Right to get declaration have legal limitations, even its scope in law is very strong. Legally examine this statement. / घोषणा पाने के अधिकार की विधिक सीमायें हैं, फिर भी इसका स्थान विधि में सुदृढ़ है । इस कथन का विधिक परीक्षण करें ।

(Words limit: Maximum 100 Words)
[10]

5.

(a) 'Adhivasi' is defined under land law, to take the possession by him is also clear; but dispute on this matter are serious. Comments over these disputes. / 'अधिवासी' भूमि विधि में परिभाषित है, इसके द्वारा कब्जा प्राप्त करने के उपबंध भी स्पष्ट हैं; परन्तु इस विषय पर विवाद जटिल हैं। ऐसे विवादों की समीक्षा कीजिये।

(Words limit: Maximum 150 Words)
[15]

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

(b) To follow the procedure for the ejectment of land grabber of Scheduled Tribes under UPZA and LR Act are disputed. The courts has delivered welfare judgements in this regard. Comment. / उत्तर प्रदेश जमींदारी उन्मूलन तथा भूमि सुधार अधिनियम के अन्तर्गत अनुसूचित जनजाति के जोत के अतिक्रमणी को बेदखल करने की विधिक प्रक्रिया के अनुपालन में विवाद है। इसके लिए न्यायालयों ने लोक कल्याणकारी निर्णय दिये हैं। समीक्षा करें

(Words limit: Maximum 150 Words)
[15]

खण्ड - ब / Section - B

6.

(a) Discuss the principle of "Constructive liability". Distinguish between common intention and common object. / 'आन्वयिक दायित्व' के सिद्धान्त की विवेचना कीजिए। 'सामान्य आशय' और 'सामान्य उद्देश्य' में अन्तर स्पष्ट करें।

(Words limit : Maximum 200 Words)
[20]

(b) What do you understand by solitary confinement? Discuss the limit of solitary confinement under Indian Penal Code. / 'एकान्त परिरोध' से आप क्या समझते हैं ? भारतीय दण्ड संहिता के अन्तर्गत एकान्त परिरोध की अवधि की चर्चा करें।

(Words limit : Maximum 100 Words)
[10]

(c) 'A' instigates B to give false evidence. B in consequence of this instigation, commits that offence. What offence has been committed by 'A'? What will be the difference of punishment between A and B? Elucidate. / ख को मिथ्या साक्ष्य देने के लिए क उकसाता है। ख उस उकसाहट के परिणाम स्वरूप, वह अपराध करता है। क ने कौन सा अपराध किया ? क और ख के दण्ड में क्या अन्तर होगा? समझाइये।

(Words limit: Maximum 100 Words)
[10]

7.

(a) Critically discuss the doctrine of transferred malice. / स्थानांतरित विद्वेष के सिद्धान्त की आलोचनात्मक विवेचना कीजिये।

(Words limit: Maximum 100 Words)
[10]

(b) 'X' signs his own name to a bill of exchange intending that it may be believed that the bill was drawn by another person of the same name. Whether 'X' is liable for any offence? Explain with legal provisions. / 'य' एक विनिमय-पत्र पर अपने हस्ताक्षर इस आशय से करता है कि यह विश्वास कर लिया जाए कि वह विनिमय - पत्र उसी नाम के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा लिखा गया था। क्या 'य' किसी अपराध के लिए जिम्मेदार है ? विधिक उपबंध सहित स्पष्ट करें।

(Words limit: Maximum 100 Words)
[10]

(c) 'X' knowing, that he is likely to cause the death of a 7 month pregnant woman, does an act which, if it caused the death of the woman, would amount to culpable homicide. The woman is injured, but does not die; but the death of an unborn 7 month child with which she is pregnant is thereby caused.
What offence 'X' committed? Explain in detail.
'य' यह सम्भाव्य जानते हुए कि वह सात माह की गर्भवती स्त्री की मृत्यु कारित कर दे, ऐसा कार्य करता है, जो यदि उससे उस स्त्री की मृत्यु कारित हो जाती है, तो वह आपराधिक मानववध की कोटि में आता। उस स्त्री को क्षति होती है, किन्तु उसकी मृत्यु नहीं होती, किन्तु तद्द्वारा उस अजात सात माह के शिशु की मृत्यु हो जाती है, जो उसके गर्भ में है।
'य' किस अपराध का दोषी है ? विस्तारपूर्वक समझाइये।

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

(Words limit : Maximum 100 Words)
[10]

8.

(a) "McNaughton rule is very old, still it is alive." Indian courts, recognize the relevancy of this rule for the application of it, as prescribed in Indian Penal Code. Discuss. / "मेकनॉटन नियम काफी पुराना है, फिर भी यह जीवित है ।" भारतीय न्यायालयों ने इस नियम को भारतीय दण्ड संहिता में उल्लिखित विधि को लागू करने के लिए प्रासंगिक माना है । विवेचना करें

(Words limit : Maximum 100 Words)
[10]

(b) Sedition was added to the Code in 1870, again amended in 1891. Recently court has also expressed its views on the legality and constitutionality of sedition. Keeping in view of the above, express your arguments in for and against of the sedition. / राजद्रोह को संहिता में 1870 में अन्तःस्थापित किया गया, पुनः 1891 में संशोधित किया गया। हाल ही में न्यायालय ने राजद्रोह की विधिक और सांविधानिक विवेचना में अभिमत व्यक्त किया है । उपर्युक्त सभी को मद्देनज़र रखते हुए, राजद्रोह के पक्ष और विपक्ष में तर्क दीजिये ।

(Words limit : Maximum 100 Words)
[10]

(c) 'X', a girl child of 7 years is sleeping in her house. 'Y', a boy of 19 years enters her house and removes her trouser and left the place. Whether 'Y' is liable for any offence? Explain. / 'य', एक सात (7) वर्ष की लड़की अपने घर में सो रही है। 'र' एक 19 वर्ष का लड़का उसके घर में प्रवेश करता है और सोई हुई लड़की की पैन्ट उतार देता है और वहाँ से चला जाता है । क्या 'य' किसी अपराध के लिए जिम्मेवार है ? स्पष्ट करें।

(Words limit : Maximum 100 Words)
[10]

9.

(a) Attempt is the third stage of offence for committing voluntary grievous hurt by using the acid etc. Punishment for both (commission and attempt) the offences are different. In the light of this offence, elucidate the intention and knowledge. / अम्ल आदि का प्रयोग करके स्वेच्छया घोर उपहति कारित करने के लिए प्रयत्न अपराध की तृतीय अवस्था है । दोनों (कारित करना और प्रयत्न) अपराधों के दण्ड में भी अन्तर है। इस सन्दर्भ में अपराध के आशय या ज्ञान की विवेचना कीजिये ।

(Words limit : Maximum 100 Words)
[10]

(b) A, who is a black smith, out of fear joins the gang of dacoits. On their order, he breaks open the lock of a house and decoits enter in that house and plunder it. Whether A has committed any offence? Explain with reasons. / 'अ', जो एक लुहार है, डर के कारणवश डाकुओं के टोले में शामिल हो जाता है । वह उनके आदेश पर एक घर का ताला तोड़ता है जिससे डाकू उस घर में घुसते हैं तथा लूटते हैं । क्या 'अ' ने कोई अपराध किया ? कारण सहित स्पष्ट करें ।

(Words limit : Maximum 100 Words)
[10]

(c) Six persons were charged under Section 302/149 of Indian Penal Code, three persons were acquitted by the trial court and remaining three convicted under Section 302/34 of the Indian Penal Code and awarded life imprisonment. Legally examine the validity of this conviction. / भारतीय दण्ड संहिता की धारा 302/149 के अन्तर्गत छः व्यक्तियों को आरोपित किया गया था, तीन व्यक्तियों को विचारण न्यायालय ने दोषमुक्त कर दिया और बाकी तीनों को भारतीय दण्ड संहिता की धारा 302/34 के अन्तर्गत) दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इस दोषसिद्धि का विधिक परीक्षण कीजिए ।

(Words limit : Maximum 100 Words)
[10]

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

10.

(a) **To what extent intoxication is a defence in criminal prosecution? Explain this statement with relevant provisions of Indian Penal Code. / आपराधिक अभियोजन में मत्तता किस सीमा तक एक बचाव है ? भारतीय दण्ड संहिता के सुसंगत उपबंधों सहित कथन को स्पष्ट करें ।**

(Words limit: Maximum 150 Words)
[15]

(b) **Recently Supreme Court of India upheld the Constitutional validity of defamation in Subramaniam Swami V Union of India, Writ Petition (Criminal) No. 184 of 2014 but still there is a debate that criminalization under defamation should be abolished. Critically examine. / हाल ही में भारत के उच्चतम न्यायालय ने सुब्रमण्यम स्वामी बनाम भारत संघ, याचिका संख्या (अपराध) 184 ऑफ 2014, मानहानि की सांविधानिक वैधता को अभिनिर्धारित किया, लेकिन अभी भी यह बहस है कि मानहानि के अन्तर्गत अपराध को समाप्त कर देना चाहिए । आलोचनात्मक परीक्षण करें ।**

(Words limit: Maximum 150 Words)
[15]

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

2021
LANGUAGE/भाषा
Part – I

Time allowed: Three Hours] **[Maximum Marks: 100**

Notes:

(i) **Candidates should attempt all the three questions. / अभ्यर्थी सभी तीन प्रश्नों के उत्तर दें ।**

(ii) **Marks carried by each question are indicated at its end. / प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं ।**

1. **Translate the following English passage into the ordinary language spoken in courts, using Hindi Language & Devanagari Script / निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यांश का सामान्य न्यायालयीय भाषा में हिन्दी भाषा व देवनागरी लिपि में अनुवाद कीजिए:**

(Words limit: Maximum 500 words)

[30]

It is a well settled law that confession must be addressed to somebody. It has been observed that for the making of a confessional statement, communication to another person is not always necessary. Utterances made in soliloquy are also statements. Confession before the assembly of villagers called for confronting the accused, does not amount to extra-judicial confession. Extra-judicial confession can form the basis of conviction. However, it should have been made before a known person. Extra judicial confession made before persons with whom the accused had no relationship, could not be relied on. The accused who supposed to have confessed to his childhood classmate who was also his neighbour, but who was neither a friend, nor on visiting terms, the confession was admitted as valid in evidence. The recipient of the confession being a known person, there could be a probability of this kind. Extra- judicial confession made before stock witness who was casually knowing the accused, was held not to be acceptable.

Similarly, where it was alleged that the accused made extra-judicial confession to a doctor and another person, both strangers and the same was tape-recorded as if it was anticipated and for this purpose the tape-recorder was kept ready. It was held that evidently, it denoted influence and involuntariness. Where extra-judicial confession was made to a stranger and exact words were not recorded and substance or foundation of an offence was also not available, it was held that the confession could not be relied upon. It was wholly unlikely that the accused would have made an extra- judicial confession to a person whom he never know. Where a confession was supposed to have been made to the relatives of the deceased and they did not disclose it either to the police or to the father of the deceased and it was further clear that confessing before them would have served no purpose because they were neither men of status nor in a position to help the accused, the court said that the confession was not reliable. Where the extra-judicial confession of the accused, alleged to have been made before one village Administrative officer and it was not attested by another person present in the office at the relevant time and further there was unexplained delay of about eleven hours in sending the FIR to the court along with confessional statement and report of the informant. Hence, it did not appear that the confessional statement was voluntary, genuine or truthful. Similarly, where the accused, who was facing a charge of murder, supposed to have confessed to the village Administrative officer, while the officer was far away and further, the police station was nearer to the place of occurrence, it was held that such a confession ought to be ignored.

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

PART – 2

2. Translate the following Hindi passage into ordinary English language: / निम्नलिखित हिन्दी गद्यांश का सामान्य अंग्रेजी भाषा में अनुवाद कीजिए:

(Words limit: Maximum 500 Words)

[30]

भारतीय दण्ड संहिता की धारा 87 में निहित मुख्य सिद्धांत यह है कि सहमति कभी भी मृत्यु तथा गम्भीर उपहति को न्यायोचित नहीं ठहराती । इस धारा के अन्तर्गत मृत्यु तथा गम्भीर उपहति के अतिरिक्त अन्य कोई क्षति, भले ही आशयित रही हो या उसके कारित किये जाने की सम्भावना का ज्ञान कर्त्ता को रहा हो, निम्नलिखित परिस्थितियों में अपराध नहीं होगा :

(1) यदि कार्य न तो मृत्यु या गम्भीर उपहति कारित करने के आशय से किया गया और न इस ज्ञान से कि कार्य द्वारा मृत्यु या गम्भीर उपहति कारित होने की सम्भावना है ।

(2) क्षति किसी व्यक्ति को उसकी सहमति से कारित की गयी ।

(3) सहमति देने वाला व्यक्ति 18 वर्ष से अधिक आयु का है ।

(4) सहमति स्पष्ट या विवक्षित हो सकती है ।

सहमति द्वारा बचाव दो अवधारणाओं पर आधारित है -

(1) यह कि प्रत्येक व्यक्ति अपने हित का सबसे उत्तम निर्णायक है, (2) यह कि कोई भी व्यक्ति जिस कार्य को अपने लिए हानिकारक समझता है उसके लिए अपनी सहमति नहीं देगा । वह इस प्रत्येक बात के लिए स्वतंत्र है कि वह अपने शरीर तथा सम्पत्ति को कारित क्षति को सहन करे । अतः यदि वह की जा रही क्षति के लिए अपनी सहमति दूसरे को दे देता है तो कर्त्ता किसी भी अपराध का दोषी नहीं होगा । उदाहरण के लिए एक व्यक्ति अपनी सम्पत्ति दूसरे को दे देता है, ग्रहीता उसे अपनी सहमति से ग्रहण करता है, तो इस तरह के ग्रहण से वह कोई अपराध कारित नहीं करता । किन्तु यह धारा एक व्यक्ति को यह आज्ञा नहीं देती कि वह किसी आशयित या ज्ञात वस्तु जिससे उसकी मृत्यु या गम्भीर उपहति कारित होने की सम्भावना है, की सहमति दे ।

भारतीय दण्ड संहिता में सहमति को परिभाषित नहीं किया गया है, यद्यपि धारा 90 यह परिभाषित करती है कि सहमति कब स्वतंत्र नहीं होती । सहमति का तात्पर्य है, किये जा रहे कार्य को स्वीकार कर लेना ।"स्टोरी" के अनुसार सहमति का अर्थ है - अच्छाई तथा बुराई के बीच सन्तुलन कायम रखते हुये मस्तिष्कीय विवेचना के साथ तर्क का एक कार्य । "स्टीफेन" के अनुसार सहमति का अर्थ है, एक ऐसी स्थिति में विद्यमान किसी विचारवान तथा उद्वेग रहित व्यक्ति द्वारा दी गई स्वतंत्र सहमति जिसमें वह उस विषय पर जिस पर सहमति दे रहा है, विवेकयुक्त निर्णय लेने में समर्थ होगा । सहमति को उस समय स्वतंत्र सहमति माना जाता है जब इसे, किसी भी प्रकार के धोखा, बल या धमकी के द्वारा प्राप्त नहीं किया गया हो ।

यह बात पूर्णतः स्पष्ट होनी चाहिए कि सहमति मस्तिष्क का धनात्मक प्रवर्तन है । फलतः यह मात्र समर्पण, विरोध का अभाव या प्रसन्नतापूर्वक स्वीकृति आदि से अलग किये जाने के योग्य है । यद्यपि यह उपयुक्त मामलों में सहमति बड़ा मजबूत प्रमाण है । सहमति तथा समर्पण के बीच अन्तर है । प्रत्येक सहमति में समर्पण निहित होता है किन्तु मात्र समर्पण में सहमति निहित नहीं होती । यह कहना हास्यास्पद होगा कि एक वयस्क व्यक्ति जो अत्याचार के सम्मुख झुक जाता है चुपचाप अपनी सहमति नहीं देता । किन्तु एक शिशु द्वारा समर्पण, जबकि वह एक बलशाली व्यक्ति के अधिकार में है और सम्भवतः भय के कारण उसने ऐसा किया हो, को स्वतंत्र सहमति नहीं माना जा सकता है तथा इसके आधार पर अभियुक्त को विधितः न्यायसंगत नहीं माना जा सकता ।

आर. बनाम निकोल (आर. एण्ड आर. 130) के वाद में यह निर्णित किया गया कि यदि एक अध्यापक किसी छात्रा के साथ बिना उसकी सहमति के अशिष्ट आचरण करता है, तो वह सामान्य प्रहार के लिए दण्डित होगा भले ही छात्रा ने प्रतिरोध न भी किया हो ।

PART - 3

3. Read the following passage carefully: / निम्नलिखित गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़ें :

(Words limit : Maximum 500 Words)

[30]

When the question arises as to meaning of a certain provision in a statute, it is not only legitimate but proper to read that provision in its context. The context here the statute as a whole, the previous state of the law, other statutes in pari materia, the general scope of the statute and the mischief that it was intended to remedy. This statement of the rule was fully adopted by the Supreme Court.

It is a rule now firmly established, that the intention of the legislature must be found by reading the statute as a whole. The rule is referred to as an "elementary rule" by Viscount

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

Simonds; a "compelling rule" by Lord Somervell of Harrow; and a "settled rule" by B.K. Mukherjee, J.

"It is the most natural and genuine exposition of a statute", laid down Lord Coke "to construe one part of a statute by another part of the same statute. for that best expresseth the meaning of the makers". "To ascertain the meaning of a clause in a statute, the court must look at the whole statute, at what precedes and at what succeeds and not merely at the clause itself, and the method of construing statutes that I prefer." said Lord Greene, M.R. "is to read the statute as a whole and ask oneself the question: In this state in this context, relating to this subject-matter, what is the true meaning of the word ?" As stated by Sinha, C.J.I.: "The court must ascertain the intention of the Legislature by directing its attention not merely to the clauses to be construed but to the entire statute: it must compare the clause with the other parts of the law, and the setting in which the clause to be interpreted occurs."

The rule is of general application as even plainest terms may be controlled by the context, and "it is conceivable", as Lord Watson said, "that the legislature whilst enacting one clause in plain terms, might introduce into the same statute other enactments which to some extent qualify or neutralise its effects."

The same word may mean one thing in one context and another in different context. For this reason, the same word used in different sections of a statute or even when
used at different places in the same clause or section of a statute, may bear different meanings. The conclusion that the language used by the legislature is plain or ambiguous can only be truly arrived at by studying the statue as a whole. How far and to what extent each component part of the statute influences the meaning of the other would be different in each given case. But the effect of the application of the rule to a particular case, should not be confounded with the legitimacy of applying it.

(a) Give a suitable Title of the above passage. / उपरोक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए ।

(Words limit: Maximum 10 Words)
[10]

(b) Write a precis in English of the above passage./उपरोक्त गद्यांश का संक्षिप्तीकरण अंग्रेजी में कीजिए।

(Words limit: Maximum 300 Words)
[30]

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

2021

The Present Day/ वर्तमान परिदृश्य

Time allowed: Three Hours] **Maximum Marks : 150**

Note:

(i) Candidate should attempt all the five questions. / अभ्यर्थी सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दें ।

(ii) Marks carried by each question are indicated at its end. / प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं

1.

(a) The purpose of the law is to promote "Social Solidarity". Explain. / विधि का प्रयोजन सामाजिक समेकता को बढ़ावा देना है । व्याख्या कीजिए ।

(Words limit: Maximum 200 Words)
[15]

(b) Critically examine the theory of 'Grund norm' as propounded by Hans Kelsen in the context of India. / भारत के परिप्रेक्ष्य में हैन्स केल्सन द्वारा प्रतिपादित 'प्रधान मानक (मूल प्रादर्श) ' के सिद्धान्त का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

(Words limit: Maximum 200 Words)
[15]

2.

(a) What is the law of Neutrality under International Law in the war situation? Discuss the role of India in the matter of Russia-Ukraine war. / अन्तर्राष्ट्रीय विधि के अन्तर्गत युद्ध की स्थिति में तटस्थता की विधि क्या है? रूस एवं यूक्रेन युद्ध में भारत की भूमिका का उल्लेख कीजिए ।

(Words limit : Maximum 200 Words)
[15]

(b) Examine the status of International Criminal Court. Who can file the case in International Criminal Court? Examine. / अन्तर्राष्ट्रीय दण्ड न्यायालय की प्रास्थिति को परीक्षण कीजिए। अन्तर्राष्ट्रीय दण्ड न्यायालय में वाद कौन दायर कर सकता है व्याख्या कीजिए ।

(Words limit : Maximum 200 Words)
[15]

3.

(a) Elucidate powers of speaker of House of People under Indian Constitution with reference to disqualification on the ground of defection. / भारतीय संविधान के अन्तर्गत लोक सभा अध्यक्ष की शक्तियों का 'दल परिवर्तन के आधार पर सदस्य की निरर्हता' के सन्दर्भ में स्पष्ट करें ।

(Words limit : Maximum 200 Words)
[15]

(b) What are the objective and salient features of "The Occupational Safety. Health and Working Condition Code, 2020"? Explain. Examine the constitutional validity of this law. / व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यस्थल स्थिति संहिता 2020 का क्या उद्देश्य एवं विशेषताएँ हैं ? उल्लेख कीजिए | इस विधि की सांविधानिक वैधता का परीक्षण करें ।

(Words limit : Maximum 200 Words)
[15]

4.

(a) 'Uniform Civil Code is essential to secure right to equality and integrity of the Nation'. Examine the latest steps taken by Uttarakhand state in this regard./ 'समान नागरिक संहिता राष्ट्रीय अखंडता एवं समानता के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है ।' इस सन्दर्भ में उत्तराखण्ड राज्य द्वारा उठाये गये अद्यतन कदमों का परीक्षण कीजिए ।

(Words limit : Maximum 200 Words)
[15]

(b) Critically examine the Constitution (One Hundred And Third Amendment) Act, 2019 in the light of the prescribed limit of reservation in M.R. Balaji Vs. State of Mysore 1963./ एम. आर.

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

बालाजी बनाम मैसूर राज्य 1963 के मामले में विहित आरक्षण की सीमा के प्रकाश में संविधान के (एक सौ तीनवें संविधान संशोधन) अधिनियम, 2019 की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए ।

(Words limit : Maximum 200 Words)

[15]

5.

(a) Examine the Right to Equal Opportunity to Women in the light of Secretary, Ministry of Defence Vs. Babita Puniya & others 2020 case./ सचिव, मिनिस्ट्री ऑफ डिफेन्स बनाम बबीता पुनिया एवं अन्य 2020 के मामले के प्रकाश में महिलाओं के समान अवसर के अधिकार का परीक्षण कीजिए ।

(Words limit: Maximum 200 Words)

[15]

(b) When alien entering the territory of a state, becomes subject to its laws. In the light of these provisions of International Law; critically examine the latest issues of aliens in India. / 'जब विदेशी, राज्य के क्षेत्र में प्रवेश करते हैं, तो इसकी विधि के अधीन हो जाते हैं ।' अन्तर्राष्ट्रीय विधि के इस उपबंध के सन्दर्भ में भारत में विदेशियों के अद्यतन विवाद्यों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

(Words limit: Maximum 200 Words)

[15]

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

2021

Practical Examination on Basic Knowledge of Computer Operation

Duration: 1 Hour **MM: 100**

Note: Read the instructions carefully. Clear, complete and precise answers are expected.

1. Attempt all questions. All questions carry equal marks.
2. Write the answer of Question 1 on the given answer sheet. Perform the practical exercise(s) on computer system for each part of Question 2, 3, 4 and 5. Save the answers of each part of these questions (by taking snapshot) and take a printout as per the instructions given to you in the computer operation practical examination hall.
3. Assumption may be made whenever required by clearly stating them.
4. Do not write any identification marks (Roll number, Name etc.) concerning you, anywhere in the answer sheet.

1. Write the answers on the given answer sheet. (5x4=20)

   a) Write the full form of DOS.
   b) Write the name of any two popular web browsers.
   c) Write down the steps to change the 'Screen Saver' of a Monitor screen.
   d) Write down the steps to create a new folder in the desktop with name 'UKPSC'.
   e) Write down the steps to change the 'Administrator' user properties.

2. Take a snap shot of each part and print it. (5x4=20)

   a) Create a MS-Word file with name 'devbhoomi.docx' and write the following paragraph on it.
   "Dev Bhoomi Uttarakhand"
   Uttarakhand is known as "the land of the gods" (Devbhumi) because of its number of Hindu pilgrimage sites. During the Vedic period, several small republics known as Janapada existed in this region. The state is also referred to as "Dev Bhoomi" (literally meaning Abode of Gods) due to its mention as such in ancient Hindu texts and occurrence of a large number of historical temples in the state.
   b) Insert a text watermark 'DEV BHOOMI' in the above word file.
   c) Apply 'Dropped' 'Drop Cap' on the above typed paragraph.
   d) Insert a blank table having 6 Rows and 4 Columns at the end of above paragraph.
   e) Insert 'footer' having 'page number' in the above MS-Word file.

3. Take a snap shot of each part and print it. (5x4=20)

   a). Create a database table named "Employ Record" in MS-Access having following fields as
   Field Name (Data Type):
   Emp Name (Text) Emp Number (Text) Designation (Text) Grade Pay (Number)
   b). Insert following three records in the above table of MS-Access:

Emp Name	Emp Number	Designation	Grade Pay
AABB	EMP_202	Manager	7000
BBCC	EMP_223	GM	9000
CCDD	EMP_324	CEO	11000

   c) Insert a new field 'Gender' with data type 'Text' after the field 'Emp Name'.

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

d) Add a value 'M', 'M' and 'F' for student name AABB, BBCC and CCDD respectively.
e) Sort the record with respect to the field 'Grade Pay' in descending order.

4. Take a snap shot of each part and print it. (5x4=20)
a. Create a worksheet in MS-Excel named as 'End Term Examination'.
b. Insert following data in the above worksheet:

Candidate Name	Roll Number	Program Name	Subject Name	Marks
AAABB	21509632	B.Sc.	Physics	230
BBBCC	20345601	LLB	Cyber Law	223
CCCDD	19302108	LLM	Criminal Law	321
DDDEE	21409632	B.Sc.	Mathematics	265

c. Show all the records having 'Program Name' "B.Sc." using 'Sort & Filter' option.
d. Find the AVERAGE of 'Marks' column at the end of above table using AVERAGE function.
e. Insert a 'Pie Chart' at the end of above data using columns 'Subject Name' and 'Marks'.

5. Take a snap shot of each part and print it. (5x4=20)
a. Create a MS-Power Point presentation. Add 'Title and Content slide' and write the following text on it.
"Dehradun"
"Capital of Uttarakhand State"
b. Add a new slide and insert a table having 3 rows and 4 columns.
c. Add a new slide and write 'Haridwar is one of main cities in Uttarakhand' using 'WordArt'.
d. Insert following 'Rectangle: Beveled' 'Shape' on the add text part of above slide.
e. Insert current 'date and time' in the 'footer' part of each slide.

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.